ओम् शान्ति 15-7-17 मधुबन

प्राणेश्वर अव्यक्त बापदादा की अति लाडली सदा अपनी शुभ वृत्तियों से शक्तिशाली वायुमण्डल बनाने वाली, सर्व की स्नेही निमित्त टीचर्स बहिनें तथा सर्व ब्राह्मण कुल भूषण भाई बहिनें,

ईश्वरीय स्नेह सम्पन्न मधुर याद स्वीकार करना जी।

बाद समाचार - हम सबकी अति प्रिय, यज्ञ की आधार स्तम्भ बापदादा के नयनों की नूर दोनों दादियां, दादी जानकी जी और दादी गुल्जार जी इस समय मुम्बई में हैं। दादी जानकी जी की हेल्थ चेकिंग गामदेवी सेवाकेन्द्र के समीप सेफी हॉस्पिटल में चल रही है। कुछ समय से आपको पेट की तकलीफ रहती थी, बड़ी आयु के कारण प्रकृति (शरीर) कुछ न कुछ खेल दिखाती है, अभी दो दिन वहाँ पूरी चेकिंग चलेगी। सर्व ब्राह्मण परिवार की शुभ भावनायें दादी जी के साथ हैं, आप सबके योग की सकाश से दादी जी शीघ्र ही स्वस्थ होकर मधुबन आ जायेंगी।

हमारी मीठी दादी गुल्जार जी पिछले तीन चार महीने से मुम्बई पारला सेवाकेन्द्र पर स्वास्थ्य लाभ ले रही हैं। कल दोनों दादियों से विशेष मिलने के लिए मधुबन से हम तीन भाई (वल्लभ भाई, गोकुल भाई, राजू भाई) मुम्बई गये थे। पारला सेवाकेन्द्र पर गुल्जार दादी जी के साथ 3-4 बार मिलना हुआ। दादी जानकी जी से गामदेवी सेवाकेन्द्र पर मिलना हुआ, उसी समय दादी जी को हॉस्पिटल लेकर गये, फिर पारला सेवाकेन्द्र पर दादी गुल्जार जी के साथ बहुत मीठी चिटचैट चली, दादी जी हर प्रश्न का उत्तर बहुत अच्छा सार रूप में दे रही थी। उनके साथ जो मीठी रूहरिहान हुई, उसका सार आपके पास भेज रहे हैं, क्लास में सभी को सुनाना जी।

प्रश्नः- दादी जी, देश विदेश में सभी बाबा के बच्चे, आपको बहुत याद करते हैं। सभी समय प्रति समय आपकी तबियत का समाचार पूछते रहते हैं, दादी जी सभी के प्रति आपकी क्या प्रेरणायें हैं?

उत्तरः- बाबा मुरलियों में तो इशारे दे ही रहा है। सभी पढ़ाई पर ध्यान दे रहे हैं, देते रहें। अभी समय बहुत नाज़ुक आ रहा है। उन नाज़ुक परिस्थितियों में पास होने के लिए बहुत समय से अपनी एकरस स्थिति बनाने पर ध्यान चाहिए। आजकल सभी विशेष प्रैक्टिस करो, जल्दी से जल्दी अशरीरी बनने की। चेक करो अशरीरी बनने का अभ्यास कितना है? कितने समय में शरीर से न्यारी अशरीरी स्थिति बनती है? 5 मिनट लगता, 10 मिनट लगता या आधे घण्टे के बाद वह स्थिति बनती है? सुनते तो आये हो कि अशरीरी बनना है। तो जो सुना है, उस सुनी हुई बात को लेकर उस पर सोचना चाहिए कि वह मेरी धारणा में कहाँ तक आया है? भले कोई भी रूप में माया आये लेकिन वह हमारे पुरुषार्थ को ढीला न कर सके। क्योंकि अभी चारों ओर माया का प्रभाव बढ़ रहा है।

प्रश्नः- दादी जी, अभी आगे क्या होने वाला है? समय के प्रति बापदादा का क्या इशारा है?

उत्तरः- अभी अचानक कुछ भी हो सकता है। समय ही शिक्षक बन शिक्षा दे रहा है। उससे बड़ा और कोई शिक्षक नहीं है। जैसे समय अचानक कुछ न कुछ बड़ा परिवर्तन दिखायेगा, उसके पहले आप सभी अपने में अचानक ऐसा परिवर्तन ले आओ, जो सब कहें वाह! आप लोगों का संग फिर भी अच्छा है। एक दो को अच्छा रिफ्रेश करते रहते हो। ऐसे हर एक का संग अच्छा होना चाहिए। जैसे बुरे संग का प्रभाव पड़ता है, ऐसे अच्छे संग का प्रभाव होना चाहिए, इससे ही वायुमण्डल परिवर्तन होगा।

प्रश्नः- दादी जी, वायुमण्डल को शक्तिशाली कैसे बनायें?

उत्तरः- बाबा की मुरलियों से नोट करो कि बाबा हमसे चाहता क्या है? उसके हिसाब से देखो कि बाबा जो चाहता है उसी अनुसार मेरा पुरुषार्थ है? अभी टाइम कम है और पुरुषार्थ बहुत करना है। उसके हिसाब से देखो मेरा पुरुषार्थ चल रहा है! जितना करना चाहिए उतना कर रहे हैं क्योंकि अचानक क्या भी हो सकता है। बाबा जो इशारा दे रहा है कि बच्चे बाबा की एकस्ट्रा याद में रहो। बीच-बीच में अपने को चेक करो, ऐसे नहीं सुबह जब बैठते हो, या रात को सोने जाते हो, उस समय ही चेक किया, बस। नहीं। बीच-बीच में चेकिंग जरूर चाहिए। अपनी दिनचर्या ऐसी बनाओ, जिसमें पावरफुल योग के लिए समय निश्चित करो। लेकिन सभी का अटेन्शन योग पर जरूर होना चाहिए क्योंकि अचानक क्या भी हो सकता है, कह नहीं सकते इसलिए आप भी अचानक करके देखो। बाबा की मुरली में जो प्वाइंटस आती हैं, उस पर चिंतन करो तो व्यर्थ से मुक्त हो जायेंगे, इसी से वायुमण्डल अच्छा पावरफुल बनेगा।

प्रश्नः- दादी जी, कारोबार में संकल्पों को फुलस्टाप कैसे लगायें?

उत्तरः- कारोबार में बातें तो आयेंगी जरूर। उनकी परवाह नहीं करो। अपने ऊपर विशेष अटेन्शन रखो। जो बातें अपने काम की नहीं है, उनसे किनारा करके रहो। जब बाबा जवाबदार है, बाबा का यज्ञ है, उस यज्ञ की कारोबार के निमित्त हो, बाबा ने आप लोगों को सेवा दी है। कारोबार में आओ, कार्य पूरा हुआ फिर न्यारे हो जाओ। तो संकल्पों को ब्रेक देना सहज हो जायेगा।

प्रश्नः- दादी जी अभी राखी का त्योहार आ रहा है, आप सबके लिए कोई सन्देश देंगी?

उत्तरः- सबको बोलो, अभी वेस्ट को खत्म करो। अभी यह महसूसता जरूर आनी चाहिए कि यह वेस्ट है। जो भी सेन्टर पर आवे वह अच्छे से अच्छा अनुभव करके जाये, इसके लिए सेन्टर का वातावरण सभी तरफ बहुत अच्छा बनाओ। कोई न कोई योग की प्वाइंट पर विशेष योग के प्रोग्राम रखो। उसे कम से कम एक हफ्ता तक चलाओ। सभी जगह योग की लहर हो। सभी बाबा की बातें कैच करने में तो होशियार हैं, परन्तु बाबा जो कह रहा है वह करके दिखावें और एक दो को भी याद दिलायें। इसमें सभी एक दो को फालो करें। व्यर्थ की बातों में फालो नहीं करो, योग में फालो करो।

अभी हर एक विशेष अटेन्शन देकर स्वयं को चेक करे और चेंज करें। वैसे सभी का अटेन्शन है लेकिन और अण्डरलाइन करो। अगर कहेंगे अटेन्शन कम है तो और भी डल हो जायेंगे इसलिए बाबा कहता है सभी का अटेन्शन है, पुरुषार्थ का उमंग है। अगर और भी थोड़ा उमंग में लायेंगे तो सभी आ जायेंगे। सब तैयार हैं।

दादी जी से हम लोगों ने पूछा, दादी जी अभी बाबा की सीज़न आने वाली है, बाबा हम सबसे मिलने आयेंगे ना! तो दादी जी ने बहुत मीठी दृष्टि देते, मुस्कराते हुए कहा, बाबा तो जरूर आयेंगे ही। ऐसी मीठी मीठी रूहरिहान करते बहुत रमणीकता से मिलन मनाते, आप सबकी याद देते और लेते हम आज अपने मधुबन घर में पहुंच गये। अच्छा। सभी को बहुत-बहुत याद...

ईश्वरीय सेवा में,

बी.के. राजू